

12/08/22

पत्रावली जैसा हुई वलीम पत्रकारता उपस्थित
पिछली तारीख पेशी पर कि गई छह व
पत्रावली में सामग्री वस्तुवैद्य वर्णित स्वागत
और उत्पाद के सुसंगत भावचानो का अवलोकन
लिपि गता। छह पर मन्त्र उपरांत उत्पादालन
कि प्रसन्न सम्बंध में प्रउ विवेचना के की
द्वारा द्वारा शर्कना - पत्र प्रकृत के समय

राज्य सरकार
साँभर लेक



दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	निर्दिष्ट दिनांक
	<p>हरिवादी संख्या ०५ का मिलना खानपान के सभी वारिमान को लगे दरखास्त व यह मिलना अधुना पैसा मिलना है किम- हार्थना-पत्र के अन्वय तथ- श्री सुपोर गले है। इस अनुसार हार्थि द्वारा जो कठोरता चाहा गया है। इस के वर्णित डिस्मा श्री गालत है हार्थि केवल अवसर दिए जाने के पश्चात भी यह साबित करने में असमर्थ रहा है जो वह अस्थायि लिपेचता पौन का अचिन्तनी क्यों है।?</p> <p>हरिवादी संख्या ०५ रिपोर्ट श्वेत दार है जिसका नाम रिपोर्ट ऑफ़ राइटस के अन्वय है हार्थना-पत्र अस्थायि लिपेचता हस्तगत करता का हरिवारी संख्या ०५ द्वारा श्रुति मिले पर भी आपरि कि यदि परन्तु हार्थि द्वारा अवसर व समय लेने के पश्चात भी यह साबित करने में असमर्थ रहा है कि यह लेन-देन अपनी-अपनी को उन्वत करना जो हर रिपोर्ट काफ़लान् का सुल-सुल अचिन्तनी है इसमें हरिवारी को उलचीत करवना जिस हल्ला नाम उचित माना जा सकता है। हार्थना-पत्र को साबित करने का यह पुर्णतया वादी/हार्थि ही होता है जिसमें जो असमर्थ रहा है।</p>	

सहायक कलेक्टर
गोंधर सेक

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>अतः उपरोक्त विवेचना के आधार पर साबित हो जाने के कारण सार्वजनिक-पत्र आस्था विवेचना अव्यक्ति लिखा जाता है। पत्रावली जिसमें शुभारंभ होकर कम्पार से कम्पार होकर दाखिल दस्तावेजों के निम्न शुभारंभ कक्षाभालय में हुआ है।</p> <p>साधन</p>	
		<p>सहायक कलक्टर साँभर लेक</p>	